श्री मुक्तानन्द आश्रम में नवरात्रि के उपलक्ष्य में होने वाली पूजा के लिए संकल्प

पूजा, आराधना का यह कृत्य मन को शुद्ध करता है। यह मन को अन्तर की ओर मुड़ने में और अपने सच्चे स्वरूप में विश्राम करने में मदद करता है।

जब आप श्री मुक्तानन्द आश्रम में आयोजित नवरात्रि पूजन की इन तस्वीरों को देख रहे हों तो आप पूजा के संकल्प के प्रति जागरूकता बनाए रख सकते हैं।

इस संकल्प के प्रत्येक तत्व के फलीभूत होने की कल्पना करें। जब आप संकल्प को अपने मन में धारण करते हैं, उसे अपने हृदय में खिलने दें।

जब आप अपने मन और हृदय को इस संकल्प के साथ सामंजस्य में लाते हैं, तब आप इस पूजा के लाभों को संसार के साथ बाँटने में मदद करते हैं।

इस जगत के समस्त प्राणी, वेदों में प्रतिष्ठापित जीवन के चार लक्ष्यों को सिद्ध करें।

ये लक्ष्य हैं :

'धर्म' यानी स्वकर्तव्य का पालन

'अर्थ' यानी धन-समृद्धि की प्राप्ति

'काम' यानी कामनाओं की पूर्ति

'मोक्ष' यानी मुक्ति की ललक को पूरा करना

© २०१९ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।